शताब्दी दिवस पर समारोह का होगा आयोजन

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

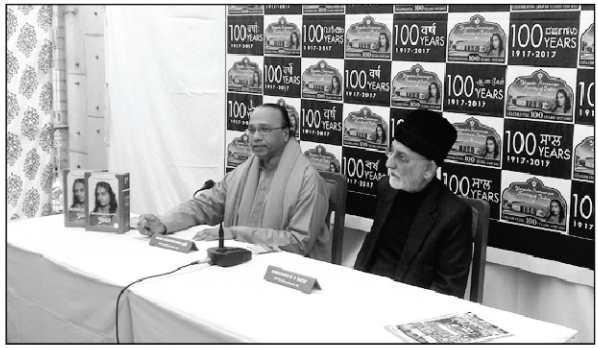

योगदा सत्संग सोसाइटी (वाईएसएस) के 100वें स्थापना दिवस पर एक भव्य समारोह का आयोजन होने जा रहा है। यह आयोजन 5 जनवरी से लेकर 22 मार्च 2018 तक चलेगा। इस समारोह का उद्देश्य युवा वर्ग को अपनी संस्कृति से अवगत करवाने के साथ-साथ योगानंद के संदेश को समस्त भारत तक पहुंचाना है। मंगलवार को इस बाबत स्वामी ईश्वरानंद गिरि ने कहा कि वाईएसएस 1917 में झारखंड में स्थापित हुआ था। जिसको आज 100 वर्ष पूरे हो गए हैं। हम इस अवसर पर 15 माह तक भारत के चारों कोनों तक परमहंस के संदेश को पहुंचाएंगे। हमारा एक ही उद्देश्य है कि लोग ध्यान के द्वारा अपने शरीर को मूल जान सके, जिसे हम आत्मज्ञान कहते हैं। हम 5 जनवरी को नोएडा, कोलकाता, हैदराबाद और मुंबई में आयोजित विशेष कार्यक्रमों के साथ आरंभ करेंगे। इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामकृष्ण मिशन के सचिव शांतात्मानंद होंगे। इस कार्यक्रम के आयोजन की अध्यक्षता स्वामी तेजोमायानंद करेंगे। इस दौरान देश भर में धर्मार्थ गतिविधियों और वाईएसएस संन्यासियों द्वारा विभिन्न संस्थाओं में सभी के लाभार्थ, परमंहस योगानंद के जीवन और शिक्षाओं पर प्रवचन शामिल हैं। उनका कहना है कि जिस दिन हम कार्यक्रम की शुरुआत कर रहे हैं उस दिन परमहंस योगानंद की जयंती है।

उन्होंने बताया कि कोलकाता, रांची, द्वाराहाट और नोएडा में स्थित अपने चार आश्रमों के अतिरिक्त देश में 200 से अधिक ध्यान केंदों के माध्यम से वाईएसएस साधकों को परहंस योगानंद की योग शिक्षाएं उपलब्ध कराती हैं और कई शैक्षणिक संस्थानों, मफ्त दवाखानों नेत्र तथा मेडिकल कैंपस, जरूरतमंदों को छात्रवृत्ति और प्राकृतिक आपदाओं में राहत कार्यों के माध्यम से स्वयं के विराट स्वरूप मानव मात्र की सेवा भी करती है। उनका कहना है कि क्रिया योग विज्ञान के अभ्यास में, एक ध्यान और क्रियाकलाप का एक ऐसा संतुलित मार्ग उपलब्ध करवाती है। जिसके जरिए अभ्यास से सभी धर्मों औद देश के लोगों को शारीरिक रोगों, मानसिक अशांति और अध्यातिमक अज्ञान की तिहरी पीड़ा से मुक्त कर सकते हैं। पूर्व राजदूत कमल, वाईएसएस के निदेशक नयन बक्शी ने कहा कि केंद्र सरकार डाक टिकट निकालेगी। जिस तरह से 1977 में परमहंस योगानंद के नाम से टिकट निकला था। परमहंस के योगानंद के शिक्षाओं का मेरा निजी अनुभव है। इसे मुझे भौतिक सफलता के साथ-साथ परम सतुंष्टि देने और आधुनिक विश्व की चुनौतियों से सक्षम बनाया है।